Merger of National Airport Authority with International Airport Authority of India

3277. SHRIMATI CHANDRIKA ABHINANDAN JAIN: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether there is any proposal to merge the National Airport Authority with the International Airport Authority of India;

(b) if so, the reasons therefor;

(c) what benefits Indian civil airports would get as a result thereof; and

(d) what is the stage of this proposal?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD): (a) to (d) The National Airports Authority and the International Airports Authority of India have been merged into a unified Authority viz. the Airports Authority of India with effect from the 1st April, 1995 with a view to have:

—Better coordination by a single authority;

—Optimal utilisation of resources to promate integrated development of airports infrastructure in all aspects including Air Traffic Control and Communication systems;

—Generation of more revenue by efficient management by a single authority; and

—Better utilisation of expertise in airport design, planning and pooling of management resources for improved efficiency.

तीर्थस्थलों पर पर्यटकों को सुविधाएं

3278. **चौधरी हरमोहन सिंह** : क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में वर्ष 1991-92 से वर्ष-वार तथा स्थान-वार विभिन्न तीर्थस्थलों पर पर्यटक सुविधाएं प्रदान करने के लिए कितनी-कितनी धनराशि खर्च की गयी है; और

(ख) इनमें से प्रत्येक तीर्थस्थल पर आने वाले विदेशी तथा घरेलू पर्यटकों की अनुमानित वार्षिक संख्या कितनी है ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) मूलभूत सुख-सुविधाओं और आधारिक संरचना के सुधार हेतु वर्ष 1992 में केन्द्र सरकार द्वारा तीर्थ पर्यटन पर गठित समिति ने तीर्थ स्थानों के विकास के लिए अभिनिर्धारित किया था। समिति द्वारा विकास हेतु अभिनिर्धारित केन्द्रों की सूची विवरण-I में दी गई है (नीचे देखिए) वर्ष 1991-92 से तीर्थ महत्व के इन अभिनिर्धारित स्थलों में पर्यटक सुविधाओं की व्यवस्था पर खर्च की गई राशि विवरण-II पर दी गई है (नीचे देखिए)।

(ख) केन्द्रीय पर्यटन विभाग तीर्थ महत्व के स्थलों में आने वाले विदेशी और स्वदेशी तीर्थयात्रियों की संख्या के बारे में सांख्यिकीय जानकारी नहीं रखता है।

विवरण–]

तीर्थ पर्यटन पर समिति द्वारा विकास के लिए अभिनिर्धारित किए गए केन्द्र

क्रम सं०	राज्य	केन्द्र/स्थान
1.	असम	कामाख्या
2.	बिहार	बोधगया, पटना साहिब
3.	गुजरात	द्वारका, पालिताना, उदवडा (वापी के निकट)
4.	हिमाचल प्रदेश	पोंटा साहिब
5.	जम्मू और कश्मीर	ज्वालाजी माता वैष्णो देवी
6.	कर्नाटक	श्रृंगेरी गुलबर्गा
7.	केरल	गुरुवयूर
8.	मध्य प्रदेश	उज्जैन शिर्डी (नासिक)
9.	महाराष्ट्र	नांदेड कोलापुर जिला में ज्योतिबा
10.	उड़ीसा	जगन्नाथ पुरी
11.	राजस्थान	अजमेर शरीफ
12.	तमिलनाडु	रामेश्वरम
13.	उत्तर प्रदेश	बद्रीनाथ परिपथ और बरसाना-नंदगांव-गोकुल-मथुरा-वृंदावन-गोवर्धन परिपथ

विवरण-II

क्रम सं०	राज्य	परियोजना	वर्ष	स्वीकृति राशि (रु० लाखों में)
1.	असम	कामाख्या में तीर्थ कुटीरें	1992–93	27.09
2.	बिहार	बोधगया में पर्यटक स्वागत केन्द्र	—वही—	20.55
		पौंटा साहिब में यात्रिका	1993–94	21.93
3.	हिमाचल प्रदेश	पौंटा साहिब में पर्यटक लॉज का निर्माण	—वही—	27.11
4.	जम्मू और कश्मीर	कटरा में तीर्थ शैडस	1992–93	18.75
		कटरा में पर्यटक परिसर	—वही—	15.98
		भवन पर यात्री निवास	—वही—	45.00
		माता वैष्णो देवी पर तम्बुओं में आवास	—वही—	10.38
5.	कर्नाटक	श्रृंगेरी में यात्री निवास का निर्माण	—वही—	46.05
		गुलबर्गा में शुलभ शौचालय का निर्माण	—वही—	2.53
		गुलबर्गा में यात्री निवास	1994–95	49.06
6.	केरल	गुरूवयूर में पर्यटक लॉज	1992–93	49.50
7.	मध्य प्रदेश	उज्जैन में तीर्थ शैडस और जन सुविधाएं	1992–93	4.66
8.	तमिलनाडू	रामेश्वरम में यात्री निवास	1992–93	44.78
9.	राजस्थान	अजमेर में यात्रिका	1991–92	26.99
		1. विश्राम स्थली, अजमेर में तीर्थ शैड्स	1992–93	
		(क) रैन बसेरा		10.28
		(ख) पक्का ढांचा		24.38
		विश्राम स्थली में जन सुविधाएं		08.48